International Year of Cooperatives

Cooperatives Build a Better World

Format for Monthly Activities Report for IYC 2025	
State: Rajasthan	
Month: March 2025	
Criteria	**Details**
Sector	State Level
Location	RICEM, Jaipur
Event/Activity Name	Workshop on strengthening of Women Cooperative Societiesn (Mahila GSS/RAJIVIKA/CLF) under IYC-2025
Brief Information on Activity	Workshop on strengthening of Women Cooperative Societies was organized at RICEM, Jaipur on 24.03.2025. Hon. State Cooperative Minister Sh. Gautam Kumar Dak was Chief Guest and workshop was attended by members and officials of cooperative societies besides senior officials of the department.
Objective	The workshop aims to strengthen the participation of women in cooperative societies, particularly in **Gram Seva Sahakari Samitis (GSS)**, by leveraging the support and network of **RAJIVIKA (Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad)** and **Cluster Level Federations (CLF) under IYC 2025**
No. of Participants	650
Achievements & Outcomes	The key outcomes of the workshop included **greater women's participation in cooperatives, improved financial access, stronger institutional linkages, and a roadmap for sustainable growth of women-led cooperative enterprises**. This initiative plays a vital role in **empowering women in rural Rajasthan**, fostering financial independence, and strengthening their contribution to the cooperative movement.

<table>
<tr><td>Photographs and AV content</td><td>

</td></tr>
<tr><td>Additional Remarks</td><td>https://mukhpatra.in/government-schemes-are-empowering-women-gautam-dak/</td></tr>
</table>

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत महिला सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण पर कार्यशाला

'सहकार से समृद्धि' के तहत देश में हो रहे अभूतपूर्व कार्य : सहकारिता मंत्री

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अनेक ऐसी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिनसे महिलाओं का सशक्तीकरण हो रहा है और वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं देश की आधी आबादी हैं, उन्हें देश को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाने की आवश्यकता है।

सहकारिता मंत्री सोमवार को राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत आयोजित महिला सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण हेतु एक दिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप देश में विगत एक दशक से महिलाओं को प्राथमिकता देकर योजनाओं का निर्माण किया जा रहा है। महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, मातृ शक्ति के सम्मान के लिए हर घर शौचालय और लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बने और विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर हो, इसके लिए सभी को अपनी भागीदारी निभानी होगी।

राइसेम के निदेशक रणजीत सिंह चूण्डावत ने कार्यशाला में राइसेम द्वारा आयोजित की जा रही गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में सहकारिता के क्षेत्र में अनेक अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीमा भार में कमी, सहकारी समितियों में पारदर्शिता, भूमि विकास बैंकों के ऋणों हेतु एकमुश्त समझौता योजना एवं विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना के तहत हो रहे कार्य इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं। सहकारिता मंत्री ने कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत जयपुर केन्द्रीय सहकारी बैंक द्वारा चयनित लाभार्थियों को योजना के कार्ड सौंपे।

इससे पूर्व उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का विधिवत शुभारम्भ किया। कार्यशाला में अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) शिल्पी पांडे और अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) संदीप खण्डेलवाल सहित सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिला सहकारी समितियों, सीएलएफ एवं राजीविका से जुड़ी महिलाएं मौजूद रहे।

Women play a vital role in fulfilling the resolution of a developed nation: Dak

TDG NETWORK
JAIPUR

Minister of State for Co-operatives (Independent Charge) Gautam Kumar Dak emphasized the significant role women play in contributing to the development of the nation. He highlighted that various schemes run by both the Central and State Governments are empowering women and making them self-reliant. Addressing a one-day workshop for strengthening women co-operatives organized under the International Cooperative Year-2025 at the Rajasthan Cooperative Education and Management Institute (RICEM) on Monday, Dak stressed that women, who make up half of the country's population, need to actively contribute to building a developed nation.

Dak explained that in line with Prime Minister Narendra Modi's vision, the government has been prioritizing women in various schemes over the past decade. He cited initiatives like the Pradhan Mantri Ujjwala Yojana, aimed at freeing women from smoke, the provision of toilets in every household to honor women's role, and the 33 percent reservation for women in Lok Sabha and State Legislative Assemblies as key steps toward empowering women.

The Minister mentioned that these schemes now ensure direct benefits to the beneficiaries. He also highlighted the state's focus on the cooperative sector, particularly in empowering women.

In his address, Dak emphasized that under the leadership of Chief Minister Ashok Gehlot, the state is taking significant steps to make women self-reliant, ensuring they do not need to depend on others for their needs. Women's cooperative societies are being formed, with the state government also supporting the financial contributions of women members. Dak encouraged cooperative societies to diversify their activities according to local needs, thereby strengthening their economic condition.

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत महिला सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण पर कार्यशाला आयोजित

सरकार की योजनाओं से हो रहा महिलाओं का सशक्तीकरण, विकसित राष्ट्र का संकल्प पूरा करने में महिलाओं की महती भूमिका, 'सहकार से समृद्धि' के तहत देश में हो रहे अभूतपूर्व कार्य-सहकारिता मंत्री

जयपुर। (भव्य राजस्थान) सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अनेक ऐसी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिनसे महिलाओं का सशक्तीकरण हो रहा है और वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं देश की आधी आबादी हैं, उन्हें देश को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाने की आवश्यकता है। सहकारिता मंत्री सोमवार को राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत आयोजित महिला सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण हेतु एक दिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप देश में विगत एक दशक से महिलाओं को प्राथमिकता देकर योजनाओं का निर्माण किया जा रहा है। महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, मातृ

शक्ति के सम्मान के लिए हर घर शौचालय और लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। दक ने कहा कि अब हर योजना का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत सरकार और राजस्थान सरकार सहकारिता क्षेत्र पर विशेष रुप से फोकस कर रही है। वर्ष 2021 में देश में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर अमित शाह को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई, जिनके नेतृत्व में सहकारिता के क्षेत्र में विभिन्न नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकार से समृद्धि अभियान के तहत देश में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं और इसमें भी महिलाओं पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बने और विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर हो, इसके लिए सभी को अपनी भागीदारी निभानी होगी। दक ने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है। महिलाएं आत्मनिर्भर बनें और उन्हें छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़े, इसके लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम कदम उठाये जा रहे हैं। राज्य में महिला सहकारी समितियों का गठन किया जा रहा है। इनमें महिला सदस्यों की हिस्सा राशि भी राज्य सरकार वहन कर रही है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारी समितियां अपने क्षेत्र के अनुकूल नये कार्य शुरु करें ताकि उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो। इस कार्य में विभाग के अधिकारी हर समय समितियों की सहायता के लिए तत्पर हैं। राइसेम के निदेशक रणजीत सिंह चूण्डावत ने कार्यशाला में राइसेम द्वारा आयोजित की जा रही गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में सहकारिता के क्षेत्र में अनेक अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीमा भार में कमी, सहकारी समितियों में पारदर्शिता, भूमि विकास बैंकों के ऋणों हेतु एकमुश्त समझौता योजना एवं विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना के तहत हो रहे कार्य इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

सहकारिता मंत्री ने कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत जयपुर केन्द्रीय सहकारी बैंक द्वारा चयनित लाभार्थियों को योजना के कार्ड सौंपे। इससे पूर्व उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का विधिवत शुभारम्भ किया। कार्यशाला में अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) शिल्पी पांडे और अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) संदीप खण्डेलवाल सहित सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिला सहकारी समितियों, सीएलएफ एवं राजीविका से जुड़ी महिलाएं मौजूद रहे।